



ग्रेट निकोबार द्वीप में विकास परियोजना: त्रुटपूरण EIA

प्रलिमिंस के लयि:

ग्रेट निकोबार द्वीप, पर्यावरण प्रभाव आकलन, गैलाथयिा बे, जायंट लेदरबैक, प्रवासी पक्षी, ऑगे जनजात, शोम्पेन जनजात, कैपबेल बे ।

मेन्स के लयि:

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन, ग्रेट निकोबार द्वीप में विकास परियोजना और पर्यावरण पर इसका प्रभाव ।

चर्चा में क्यों?

ग्रेट निकोबार द्वीप में मेगा-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लयि हाल ही में जारी 'पर्यावरण प्रभाव आकलन' (EIA) मसौदा रपॉर्ट के तहत गलत या अधूरी जानकारी प्रस्तुत करने, वैज्ञानिक अशुद्धि और उचित प्रक्रिया का पालन न करने से संबंधित गंभीर सवाल उठाए गए हैं ।

- पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) की एक समिति ने मई 2021 में EIA रपॉर्ट तैयार करने हेतु 'संदर्भ की शर्तें' (ToR) जारी की थीं ।
- इससे पहले अंडमान और निकोबार समूह में 680 वर्ग कमी लंबे संवेदनशील 'लटिलि अंडमान' द्वीप के सतत् एवं समग्र विकास की एक योजना ने संरक्षणवादियों के बीच चर्चा पैदा कर दी थी ।

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA)

- यह एक प्रस्तावित परियोजना या विकास के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया है, जिसमें लाभ और प्रतिकूल दोनों तरह के अंतर-संबंधित सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक व मानव-स्वास्थ्य प्रभावों को ध्यान में रखा जाता है ।
- पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 द्वारा वैधानिक रूप से समर्थित है जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की पद्धति और प्रक्रिया पर विभिन्न प्रावधान शामिल हैं ।

Essential Components of E.I.A.

1 Screening

To determine whether project require a full or partial impact assessment study.

2 Scoping

To identify which potential impacts are relevant to assess, to identify alternative solutions that avoid, mitigate or compensate adverse impacts on biodiversity and finally to derive terms of reference for the impact assessment.

3 Assessment & evaluation of impacts and development of alternatives

To predict and identify the likely environmental impacts of a proposed project or development, including the detailed elaboration of alternatives.

4 Reporting the Environment Impact Statement (EIS) or EIA report.

Including an environmental management plan (EMP).

5 Review of the Environmental Impact Statement (EIS).

Based on the terms of reference (scoping) and public (including authority) participation.

6 Decision-making

On whether to approve the project or not, and under what condition.

7 Monitoring, compliance, enforcement and environmental auditing

To monitor whether the predicted impacts and proposed mitigation measures occur as defined in the EMP.

प्रमुख बटु

परिचय:

- नीतिआयोग ने ग्रेट नकिोबार में 72,000 करोड़ रुपए की एकीकृत परियोजना की शुरुआत की है, जिसमें एक मेगा पोर्ट, एक हवाई अड्डा परिसर, 130 वर्ग किलोमीटर में वसित शहर, सौर और गैस आधारित बिजली संयंत्र का निर्माण शामिल है।
- अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम लिमिटेड (ANIIDCO) परियोजना प्रस्तावक है।
 - पारिस्थितिक विज्ञानी और शोधकर्ता इस परियोजना के बारे में एक साल से अधिक समय से चिंता ज़ाहिर कर रहे हैं।

EIA रिपोर्ट से संबंधित मुद्दे:

गलत या अधूरी जानकारी:

- द्वीप का क्षेत्रफल एक स्थान पर 1,045 वर्ग किमी. के रूप में वर्णित है, जबकि यह 910 वर्ग किमी. (वर्तमान आधिकारिक आंकड़ा) है।
- यह बताया गया कि गैलाथिया बंदरगाह (Galathea port) क्षेत्र किसी भी प्रवाल भित्तियों को रिकॉर्ड नहीं करता है, जबकि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) के अध्ययन से पता चलता है कि गैलाथिया खाड़ी (Galathea Bay) में प्रवाल भित्तियाँ 116 हेक्टेयर में फैली हुई हैं।
 - गैलाथिया की खाड़ी भारत में जायंट लीथेरबैक (Giant Leatherback) के लिये एक प्रतिष्ठित नेस्टिंग साइट है जो तीन दशकों में किये गए सर्वेक्षणों के तहत दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री कछुआ है।
- द्वीप में जीवों की 330 प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं, जबकि वही भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के अध्ययन के अनुसार इसकी संख्या दोगुना से अधिक यानी 695 है।
- EIA का कहना है कि ग्रेट नकिोबार से दूसरी जगह किसी प्रवासी पक्षी की सूचना नहीं मिली है, जबकि यह सर्ववदित है कि यह द्वीप विश्व स्तर पर दो महत्वपूर्ण पक्षी फ्लाईवे का स्थान है, इसके साथ ही ग्रेट नकिोबार में प्रवासी पक्षियों की 40 से अधिक प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं।

संस्थागत उदासीनता:

- EIA रिपोर्ट में परियोजना प्रस्तावक (ANDICO) की पर्यावरण नीति जैसे इसकी मानक संचालन प्रक्रिया, पर्यावरण और वन मानदंडों के उल्लंघन को उजागर करने की प्रक्रिया तथा पर्यावरण मंजूरी शर्तों (environmental clearance conditions) के अनुपालन को सुनिश्चित करने संबंधी विवरण होने की उम्मीद थी।
- जनजातीय कल्याण नदिशालय द्वारा नयुक्त उपक्रम एजेंसी ने द्वीपों पर स्वदेशी लोगों के अधिकारों को सुरक्षित करने की प्राथमिकता के साथ कार्य किया।
 - इसके द्वारा पहले यह आश्वासन दिया जाता है कि "आदवासियों के अधिकारों की अच्छी तरह से रक्षा की जाएगी और उनका ध्यान रखा जाएगा"।
 - फिर यह नषिकर्ष नकिलता है कि "जब भी परियोजना के नषिपादन हेतु भूमि के मौजूदा नियमों/नीतियों/कानून से कोई छूट प्रदान करने की आवश्यकता होगी, तो यह नदिशालय सक्षम प्राधिकारी से उस प्रभाव के लिये आवश्यक छूट की मांग करेगा"।

पर्यावरणवर्द्धन द्वारा उठाए गए मुद्दे:

- इस परियोजना से द्वीपों पर स्थिति कछुए और मेगापोड के घोंसले (megapode nesting) तथा प्रवाल भित्तियाँ प्रभावित हो सकती हैं।
- ग्रेट नकिोबार बायोस्फीयर रिज़र्व और एक आदवासी रिज़र्व की भूमि सहित कई आरक्षित क्षेत्रों को परियोजना के लिये गैर-अधिसूचित किये जाने की उम्मीद है।
 - लगभग 81.74% द्वीप राष्ट्रीय उद्यानों, रिज़र्व और जंगलों से आच्छादित है।

- परियोजना का जैव विविधता और स्वदेशी **ओंगे जनजात** पर सीधा प्रभाव पड़ेगा ।
- ओंगे भारत के अंडमान द्वीप समूह की जनजातियों में से एक है ।

ग्रेट निकोबार

परिचय:

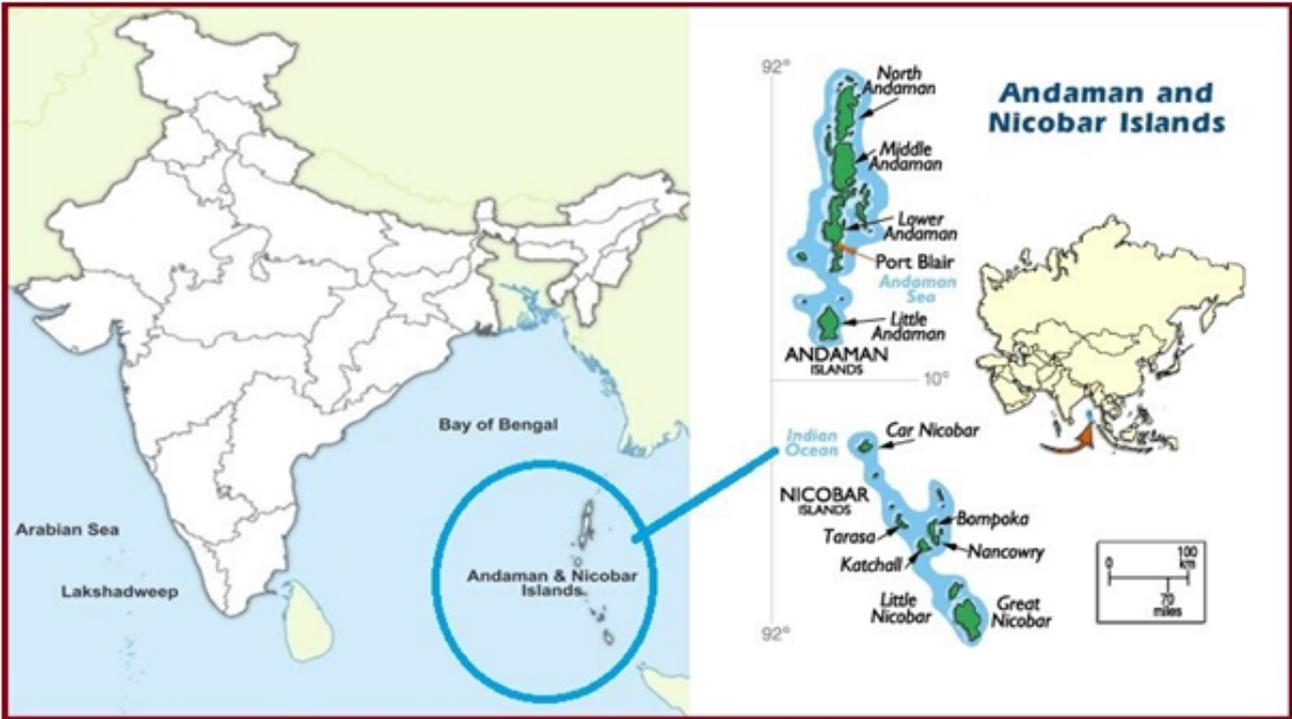
- ग्रेट निकोबार 'निकोबार द्वीप समूह' का सबसे दक्षिणी द्वीप है ।
- इसमें 1,03,870 हेक्टेयर के अद्वितीय और संकटग्रस्त उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन पारस्थितिकी तंत्र शामिल हैं ।
- यह एक बहुत ही समृद्ध पारस्थितिकी तंत्र है, जिसमें एंजियोस्पर्म, फर्न, जमिनोस्पर्म, बरायोफाइट्स की 650 प्रजातियाँ शामिल हैं ।
- जीवों के संदर्भ में बात करें तो यहाँ 1800 से अधिक प्रजातियाँ हैं, जिनमें से कुछ इस क्षेत्र की स्थानिक प्रजातियाँ भी हैं ।

पारस्थितिकी विशेषताएँ:

- ग्रेट निकोबार बायोस्फीयर रज़िर्व, उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदाबहार वनों, पर्वत शृंखलाओं और समुद्र तल से 642 मीटर **साउंट थ्यूलायर** की ऊँचाई वाले पारस्थितिकी तंत्रों की एक वसित शृंखला है ।

जनजात:

- मंगोलोइड शोम्पेन जनजात, जिसमें लगभग 200 सदस्य हैं, विशेष रूप से नदियों और नदी धाराओं के किनारे जैवमंडल रज़िर्व के वनों में पाई जाती है ।
- एक अन्य मंगोलोइड जनजात, निकोबारी में लगभग 300 सदस्य थे और ये पश्चिमी तट के किनारे बस्तियों में निवास करती थी ।
 - वर्ष 2004 में आई सुनामी, जिसने पश्चिमी तट पर बनी बस्ती को तबाह कर दिया, के बाद उन्हें **उत्तरी तट** और **कैम्पबेल बे** में अफरा खाड़ी में स्थानांतरित कर दिया गया ।



स्रोत- द हट्टू